

# विलियम पेरी का बौद्धिक और नैतिक विकास की योजना

9 "पेरी" पदों के साथ एक यात्रा (जैसा कि बेलेंकी एट अल। 1986 द्वारा संशोधित)  
[विलियम जे. रैपपोर्ट](#)

[कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, दर्शन विभाग,](#)  
और [संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र](#)

न्यू यॉर्क स्टेट यूनिवर्सिटी बफेलो, बफेलो, एनवाई 14260-2000

परिचय और चेतावनी: निम्नानुसार एक अत्यधिक ओवर सिम्पलीफ़ाइड रूपरेखा है। आपको [पेरी की मूल पुस्तक और आलेख](#) या इस [दस्तावेज़ के अंत में संदर्भित किसी भी अन्य साहित्य](#) को पढ़ने का आग्रह किया जाता है। या आप [पेरी नेटवर्क](#) पर लोगों से संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी और कुछ अन्य सामग्री के लिए, मेरे पावरपॉइंट स्लाइड शो देखें।

विलियम पेरी ने दावा किया (और उसके दावों को बाद के शोध द्वारा प्रमाणित किया गया है) कि कॉलेज के छात्र (लेकिन अन्य भी) बौद्धिक (और नैतिक) विकास के संबंध में 9 "पदों" के माध्यम से "यात्रा" करते हैं। इन चरणों को ज्ञान के प्रति छात्र के दृष्टिकोण के संदर्भ में वर्णित किया जा सकता है। 4 श्रेणियों में समूहित 9 पद, हैं:

A. द्वैतवाद / प्राप्त ज्ञान:

सही / गलत उत्तर हैं, आकाश में गोल्डन टैबलेट पर उत्कीर्ण, प्राधिकरणों के लिए जाना जाता है।

## 1. मूलद्वंद्वः

सभी समस्याएं हल करने योग्य हैं;  
इसलिए, छात्र का कार्य सही समाधान सीखना है

## 2. पूर्ण दोहरीवादः

कुछ प्राधिकरण (साहित्य, दर्शन) असहमत हैं;  
अन्य (विज्ञान, गणित) सहमत हैं।  
इसलिए, सही समाधान हैं, लेकिन गोलियों के कुछ शिक्षकों के विचार अस्पष्ट हैं।  
इसलिए, छात्र का कार्य सही समाधान सीखना और दूसरों को अनदेखा करना है!

- रैपपोर्ट की अटकलें, भाग 1: शायद हम दोहरीवादियों के रूप में शुरू करते हैं क्योंकि हम दुनिया से जानकारी स्वीकार करके और इसके प्रति प्रतिक्रिया करके शुरू करते हैं।

## B. बहुतायत / विषयपरक ज्ञान:

विवादित जवाब हैं;

इसलिए, छात्रों को अपनी "आंतरिक आवाज" पर भरोसा करना चाहिए, बाहरी प्राधिकरण नहीं।

### 3. प्रारंभिक बहुतायत:

2 प्रकार की समस्याएं हैं:

- जिनके समाधान हम जानते हैं
- जिनके समाधान हम अभी तक नहीं जानते हैं

(इस प्रकार, एक तरह का दोहरीवाद)।

छात्र का कार्य सीखना है कि सही समाधान कैसे प्राप्त करें।

### 4. देर बहुतायत:

ज्यादातर समस्याएं दूसरी तरह के हैं;

इसलिए, हर किसी को अपनी राय का अधिकार है;

या कुछ समस्याएं असफल हैं;

इसलिए, इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आप कौन सा (यदि कोई है) समाधान चुनते हैं।

छात्र का काम बैल को मारना है।

(अधिकांश ताजा व्यक्ति इस स्थिति में हैं, जो एक प्रकार का सापेक्षता है)

इस बिंदु पर, कुछ छात्र विचलित हो जाते हैं, और या तो पहले ("सुरक्षित") स्थिति में पीछे हट जाते हैं ("मुझे लगता है कि मैं गणित का अध्ययन करूंगा, साहित्य नहीं, क्योंकि स्पष्ट उत्तर हैं और अधिक अनिश्चितता नहीं है") या अन्यथा बचें (छोड़ दो) ("मैं कॉलेज नहीं खड़ा कर सकता हूँ; वे सभी चाहते हैं सही जवाब हैं" या नहीं "मैं कॉलेज नहीं खड़ा कर सकता; कोई भी आपको सही जवाब नहीं देता है"।)

- रैपपोर्ट की अटकलें, भाग 2: शायद हम चीजों को सीखने के बाद मल्टीप्लिस्ट में विकसित होते हैं और चीजों के बारे में आंतरिक या अंतर्निहित "भावनाओं" या अंतर्ज्ञान रखते हैं, लेकिन सचेत या स्पष्ट मान्यताओं को समझाया जा सकता है या उचित नहीं किया जा सकता है।

## C. सापेक्षता / प्रक्रियात्मक ज्ञान:

अनुशासनात्मक तर्क विधियां हैं:

जुड़े ज्ञान: सहानुभूतिपूर्ण (आप एक्स पर विश्वास क्यों करते हैं? यह कविता मुझसे क्या कहती है?)

बनाम अलग ज्ञान: "उद्देश्य विश्लेषण" (इस कविता का विश्लेषण करने के लिए मैं किस तकनीक का उपयोग कर सकता हूँ?)

### 5. प्रासंगिक सापेक्षता:

सभी प्रस्तावित समाधान कारणों से समर्थित हैं;

यानी, संदर्भ में और समर्थन के सापेक्ष देखा जाना चाहिए।  
कुछ समाधान संदर्भ के आधार पर दूसरों की तुलना में बेहतर हैं।  
छात्र का कार्य समाधान का मूल्यांकन करना सीखना है।

- रैपपोर्ट की अटकलें, भाग 3: शायद हम प्रासंगिक सापेक्षवादियों में विकसित होते हैं जब हम भाषा में अपनी अंतर्ज्ञान व्यक्त कर सकते हैं और उनके लिए संबंध और उनके बीच संबंध तलाश सकते हैं।

#### 6. "पूर्वप्रतिबद्धता":

छात्र की आवश्यकता को देखता है:

- विकल्प बनाना
- एक समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध

#### D. वचनबद्धता / रचनात्मक ज्ञान:

व्यक्तिगत अनुभव और प्रतिबिंब के साथ दूसरों से सीखा ज्ञान का एकीकरण।

#### 7. प्रतिबद्धता:

छात्र प्रतिबद्धता बनाता है।

#### 8. वचनबद्धता के लिए चुनौतियां:

छात्र प्रतिबद्धता के प्रभाव का अनुभव करता है।

छात्र जिम्मेदारी के मुद्दों की पड़ताल करता है।

#### 9. "पोस्ट-प्रतिबद्धता":

विद्यार्थी को लगता है प्रतिबद्धता एक चल रही, प्रकट, विकसित गतिविधि है

यात्रा कभी-कभी दोहराई जाती है; और विभिन्न विषयों के संबंध में एक ही समय में अलग-अलग चरणों में हो सकता है।

Source: <https://cse.buffalo.edu/~rapaport/perry-positions.html>

---

July 14, 2018 9:03 am

---

This site uses cookies. By continuing to browse the site you are agreeing to our use of cookies.

Got It!

